हिमाचल अभी अभी

ABHI ABHI

नई सोच नई खोज

साप्ताहिक

/himachal.abhiabhi @himachal_abhi

RNI No. HPHIN/2015/68432 वर्ष 10 अंक 42 कांगड़ा। शनिवार, 15 फरवरी-21 फरवरी, 2025 www.himachalabhiabhi.com तदनुसार 04 फाल्गुन, विक्रमी संवत् 2081 कुल पृष्ठ 4 मूल्य ₹5 Postal Regn.No. DGPUR/26/24-26

लीवर को ऐसे रखें हेल्दी

-पढ़ें पेज 4

इस साल महाशिवरात्रि 26 फरवरी 2025 को है, ये दिन किसी त्योहार से कम नहीं। इस साल तो महाशिवरात्रि पर कई दुर्लभ संयोग बन रहे है, जिसका लाभ कुछ विशेष राशियों को मिलेगा। 26 फरवरी 2025 को महाशिवरात्रि पर श्रवण नक्षत्र का संयोग बन रहा है। श्रवण नक्षत्र इस दिन सुबह से लेकर शाम 5:08 बजे तक प्रभावी रहेगा...

महाशिवरात्रि

भोलेनाथ के भक्तों को महाशिवरात्रि का बेसब्री से इंतजार रहता है। महाशिवरात्रि का शाब्दिक अर्थ 'शिव की महान रात' है। धार्मिक मान्यता है कि महाशिवरात्रि व्रत को करने से कुंवारी लड़कियों को मनचाहा वर मिलता है और विवाहित महिलाओं को अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

इस साल महाशिवरात्रि 26 फरवरी 2025 को है, ये दिन किसी त्योहार से कम नहीं। इस साल तो महाशिवरात्रि पर कई दुर्लभ संयोग बन रहे है, जिसका लाभ कुछ विशेष राशियों को मिलेगा।

26 फरवरी 2025 को महाशिवरात्रि पर श्रवण नक्षत्र का संयोग बन रहा है। श्रवण नक्षत्र इस दिन सुबह से लेकर शाम 5:08 बजे तक प्रभावी रहेगा।

इस दिन बुध, शनि और सूर्य तीनों कुंभ राशि में विराजमान होंगे। ऐसे में बुधादित्य योग, त्रिग्रही योग का निर्माण हो रहा है। जो कई राशियों के लिए शुभ साबित होगा।

महाशिवरात्रि के दिन भोलेनाथ वैराग्य जीवन छोड़कर मां पार्वती के साथ विवाह के बंधन में बंधे थे। इस दिन माता पार्वती और भोलेनाथ रात में भ्रमण पर निकलते हैं। ऐसे में जो लोग रात्रि जागरण कर महादेव की आराधना करते हैं उनके समस्त दुख दूर होते हैं और जीवन में खुशियों का आगमन होता है।

■ पं. नित्यानंद